Course code	Indian Philosophy, Paper – I (Core Course 5A)	L	T	P	C
BPHIL20Y201	भारतीय दर्शन, प्रश्न–पत्र–1	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- भारतीय दर्शन की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- दार्शनिक प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- भारतीय दर्शन की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- भारतीय दर्शन की सूक्ष्म चिंतन प्रणाली का पता चलना।
- भारतीय दर्शन की स्वरूपगत विशेषताओं का ज्ञान होना।
- विभिन्न दार्शनिक प्रस्थानों की समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में चिंतन कौशल का विकास होना।
- वैचारिक वैशिष्ट्य की जानकारी होना।
- चिंतन के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियाँ एवं प्रयोगों का विकास होना।
- वैचारिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **15**

भारतीयदर्शन का इतिहास–

- वैदिक और अवैदिक दर्शनों का उद्‌भव और विकास ।
- ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग (भगवत् गीता)।
- संसारवाद वमोक्ष विचार।
- चार्वाक दर्शन मेंभौतिकवाद विचारधारा।

Unit – 2 — **15**

जैन दर्शन व बौद्धदर्शन–

- जैनदर्शन में जीव–अजीव विचार, द्रव्य की अवधारणा, सत् गुणपर्याय।
- जैनदर्शन में बंधन एवं मोक्ष विचार ।
- जैन दर्शन के प्रभावक आचार्य श्रीविद्यासागर जी का आचार दर्शन।
- बौद्धदर्शन का अनात्मवाद विचार ।
- बौद्धदर्शन का निर्वाण विचार ।

Unit-3 — **15**

सांख्य, योग दर्शन व ध्यान योग–

- सांख्य–सत्कार्यवाद, प्रकृति और पुरुष विचार।
- सांख्य–विकासवाद।
- योग–पातंजलि योग दर्शन में चित्तवृत्ति एवं अष्टांग योग विचार ।
- ध्यान योग व ध्यान की विधायें –पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का दृष्टिकोण।

Unit-4 — **15**

Abhishay

वैशेषिक एवंमीमांसा दर्शन – • पदार्थ का स्वरूप एवं प्रकार (वैशेषिक दर्शन)। • द्रव्य, गुण एवं कर्मविचार (वैशेषिकदर्शन)। • सामान्य, विशेष, समवायएवं अभाव विचार। • पूर्वमीमांसा दर्शन।	
Unit-5	**15**
शंकर और रामानुज दर्शन– • शंकरदर्शन में–माया, मोक्ष विचार। • रामानुज दर्शन में–शंकर के मायावाद की आलोचना।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text/ Reference Books		
• भारतीय दर्शन–बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी • भारतीय दर्शन– चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी। • भारतीय दर्शन– दत्त एवं चटर्जी, कलकत्ता यूनीवर्सिटी, कलकत्ता। • भारतीय दर्शन–एन. के. देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ। • भारतीय दर्शन– बी .एन. सिंह, आशा प्रकाशन, नगवॉ लंका, वाराणसी । • भारतीय दर्शन की रूपरेखा–एम हिरियन्ना, मोतीलाल, बनारसी दास, वाराणसी। • भारतीय दर्शन–बी. के. लाल, मोतीलाल, बनारसी दास, वाराणसी। • भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण–संगमलाल पाण्डेय, सेंट्रल पब्लिशिंग हाऊस, इलाहाबाद। • आध्यात्मिक मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रतिपादन–पं. श्रीरामशर्मा आचार्य के समन्वयात्मक दृष्टिकोण के संदर्भ में, डॉ. श्रीमती उषाखण्डेलवाल, परिमल प्रकाशन, दिल्ली। • गायत्री महाविद्या, वाङ्गमय खंड–45, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य • व्यक्तित्व विकास हेतु उच्चस्तरीय साधनाएं–वाङ्गमय खंड–20, पं. श्रीरामशर्मा आचार्य।		

Course code	Western Philosophy, Paper – II (Core Course 5B)	L	T	P	C
BPHIL20Y202	पाश्चात्य दर्शन, प्रश्न–पत्र–2	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- पाश्चात्य दर्शन की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में पाश्चात्य विचारों के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पाश्चात्य दर्शन की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पाश्चात्य दर्शन की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पाश्चात्य दर्शन सूक्ष्मता का पता चलना।
- पाश्चात्य दर्शन की स्वरूपगत विशेषताओं का ज्ञान होना।
- विभिन्न दार्शनिक विचारों के प्रति समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में चिंतन कौशल का विकास होना।
- वैचारिक वैशिष्ट्य की जानकारी होना।
- चिंतन की नूतन तकनीक, कौशल विधियाँ एवं प्रयोगों का विकास होना।

Unit-1 — **15**

- पाश्चात्य दर्शन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।
- ग्रीक दर्शन–ग्रीक दार्शनिक– प्लेटो व अरस्तू–
- प्लेटो का प्रत्ययवाद।
- अरस्तू का द्रव्य एवं आकार।
- सुकरात की ज्ञानमीमांसा एवं नीतिशास्त्र।

Unit – 2 — **15**

- आधुनिक दर्शन की प्रमुख विशेषताएँ।
- 17 वी शताब्दी से 18 वीं शताब्दी तक की दार्शनिक विचार धारायें।

Unit-3 — **15**

- रेने डेकार्ट्स, स्पिनोजा एवं लाइब्नित्स के विचार–(बुद्धिवाद)।
- रेने डेकार्ट्स की दार्शनिक पद्धति एवं उसकी निष्पत्तियाँ।
- द्रव्य, गुण एवं पर्याय सिद्धान्त।
- लाइब्नित्स का चिद्बिन्दुवाद

Unit-4 — **15**

आधुनिक अनुभववाद–

- आधुनिक अनुभववाद की प्रमुख विशेषताएँ।
- लॉक की ज्ञान मीमांसा।
- बर्कले का आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद।

Unit-5 — **15**

आधुनिक समीक्षावाद–

- काण्ट का समीक्षावाद, देशकाल की अवधारणा।
- बुद्धि–विकल्पों का स्वरूप।

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			

Text/ Reference Books

1. पाश्चात्य दर्शन– डॉ. चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास दिल्लीं
2. पाश्चात्य दर्शन की रूपरेखा–डा. संगमलाल पांडे, दर्शन पीठ इलाबाद।
3. पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास–डॉ. याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
4. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन– जे. पी. शर्मा (संपादक), म0 प्र0 हिन्दी गंथ अकादमी, भोपाल।
5. पाश्चात्य दर्शन डा. बी. एन. सिंह, स्टूडेन्टस एण्ड कत्पनी, वाराणसी।
6. पाश्चात्य दर्शन– डॉ. रामनाथ शर्मा, रामनाथ केदारनाथ प्रकाशन मेरठ।
7. काण्ट का दर्शन–डॉ. संगमलाल पाण्डे, दर्शन पीठ टैगोर नगर, इलाहाबाद।
8. ग्रीक दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास– जे. एस. श्रीवास्तव।
9. पाश्चात्य दर्शन–बी .एन. सिंह, आशा प्रकाशन, वाराणसी ।
10. आधुनिक दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास, जे. एस. श्रीवास्तव।
11. काण्ट का नीति दर्शन–सभाजीत मिश्र।